उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में
अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में दिनांक 21 एवं 22 मई, 2014 को अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस "द्वीप एवं जैवविविधता" नामक विषय पर मनाया गया। बच्चे, युवा एवं आम जन मानस में जैव विविधता की समझ और उसके संरक्षण एवं विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संस्थान द्वारा दिनांक 21 एवं 22 मई, 2014 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गये। दिनांक 21.05.2014 को आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन प्रभाग के सभागार में प्रातः 10.15 से डॉ0 पी.के. खत्री, वैज्ञानिक–डी0 एवं श्री संजय सिंह, वैज्ञानिक– बी., जैव विविधता एवं सतत् प्रबन्धन प्रभाग द्वारा **Jamie Uys** द्वारा निर्मित एक फिल्म शो का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक था Animals are Beautiful people। तत्पश्चात् इसी सभागार में प्रातः 11.30 बजे से उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर एवं भारत तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता हेतु बच्चों के दो वर्ग बनाये गये वर्ग एक में कक्षा 5वीं तक के बच्चों ने भाग लिया। इस वर्ग का विषय था "Biodiversity and I". वर्ग दो में कक्षा 6 वीं से 12 वी तक के बच्चों ने भाग लिया। इस वर्ग का विषय था "Biodiversity and livelihood: our bio-cultural heritage". चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल में डॉ0 श्रीमती मैत्रयी कुण्डू वैज्ञानिक – एफ0 एवं प्रभागाध्यक्ष वन संवर्धन प्रभाग, श्रीमती नीलू सिंह वैज्ञानिक – ई0 एवं प्रभागाध्यक्ष, अकाष्ट वन उत्पाद प्रभाग एवं श्रीमती ननीता बेरी, वैज्ञानिक – सी, कृषि वानिकी प्रभाग एवं डॉ0 फातिमा शिरीन, वैज्ञानिक–ई0, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन प्रभाग इत्यादि अधिकारियों ने निर्णायक का दायित्व निभाया। दोपहर 3.30 बजे से संस्थान के मुख्य भवन के सभागार में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों, अनुसंधान अध्ययेयता एवं क्षेत्र सहायकों के लिए निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था - <u>जैव विविधता संरक्षण एवं विकास</u>। इस प्रतियोगिता में निर्णायक थे– डॉ0 आर.के. वर्मा, वैज्ञानिक–एफ. एवं प्रभागाध्यक्ष, वन रोग प्रभाग, डॉ0 योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक–ई0 एवं प्रभागाध्यक्ष, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन प्रभाग तथा डॉ0 पी0के0 खत्री, वैज्ञानिक–डी0, जैव विविधता एवं सतत् प्रबन्धन प्रभाग। अन्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई 2014 को दोपहर 3.30 बजे से आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन प्रभाग के सभागार में उष्णकटिबंधीय

उपरोक्त रिपोर्ट एवं उसकी समस्त सामग्री वन विस्तार प्रभाग द्वारा श्री हरिओम सक्सेना, जन सम्पर्क अधिकारी के माध्यम से वेब साईट पर अपलोड करने हेतु प्रदाय की गई है।

वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर एवं भारत तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बच्चों के लिए श्री संजय सिंह वैज्ञा. बी, जैव विविधता एवं सतत् प्रबन्धन प्रभाग द्वारा "Island biodiversity in

age of extinction" विषय पर ब्याख्यान दिया गया। अपराह्न 4.30 से संस्थान के वन विस्तार प्रभाग के सभागार में माननीय निदेशक डॉ0 यू. प्रकाशम, भा.व.से., उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के सभापतित्व में समापन समारोह का आयोजन किया गया। निदेशक महोदय, ने चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरूस्कार के रूप में प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। चित्रकला प्रतियोगिता के वर्ग एक में प्रथम पुरूस्कार विजेता मा. निहाल काले, द्वितीय पुरूस्कार विजेता कु. अंकिता नाविक तथा तृतीय पुरूस्कार विजेता कु. प्रियाशी श्रीवास्तव थी। वर्ग दो में प्रथम पुरूस्कार विजेता कु. अंकिता नाविक, द्वितीय पुरूस्कार विजेता संकल्प श्रीवास्तव तथा तृतीय पुरूस्कार विजेता आदि पौनीकर थे। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम पुरूस्कार विजेता श्री विवके वैष्णव, द्वितीय पुरूस्कार विजेता श्री मंसूर अहमद तथा तृतीय पुरूस्कार विजेता श्री लक्ष्मीकांत कौरव थे। माननीय निदेशक महोदय, ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा देश विभिन्न प्रकार की जलवायु एवं भौगोलिक स्थिति के कारण जैव विविधता की दृष्टि से सम्पन्न राष्ट्र है। विश्व की 10 प्रतिशत जैव विविधता हमारे देश में पाई जाती है। बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औदयोगिकरण, रसायनों के अत्यधिक उपयोग आदि के कारण वन और वन जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। प्रदूषण के कारण धरती और जल में रहने वाली प्रजातियों का जीवन संकट में है। पेड़ पौधों और जीव जन्तुओं की बहुत सी प्रजातियां लुप्त हो गई एवं कुछ लुप्त होने की कगार पर हैं। हम सबका दायित्व है कि हम वन, जीव जगत और पर्यावरण को बचाने का हर संभव प्रयास करें। विकास जैव विविधता संरक्षण के साथ–साथ हो। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ0 नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक – एफ0 एवं प्रभागाध्यक्ष वन कीट प्रभाग एवं वन विस्तार प्रभाग द्वारा किया गया।

उपरोक्त रिपोर्ट एवं उसकी समस्त सामग्री वन विस्तार प्रभाग द्वारा श्री हरिओम सक्सेना, जन सम्पर्क अधिकारी के माध्यम से वेब साईट पर अपलोड करने हेतु प्रदाय की गई है।